दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 96 दिसम्बर-2013 जनवरी-2014 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका

शांति सेवा न्याय

DELHI POLICE

ANNUAL PRESS CONFERENCE

3rd January, 2014



दिल्ली पुलिस का वार्षिक संवाददाता सम्मेलन

3 जनवरी, 2014, इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी द्वारा सम्बोधित वार्षिक पत्रकार सम्मेलन की प्रमुख गतिविधियाँ

3 जनवरी, 2014 को इंडिया हेबिटेट सेंटर, लोधी कॉलोनी में दिल्ली पुलिस का वार्षिक संवाददाता सम्मेलन आयोजित हुआ। जिसमें दिल्ली पुलिस के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं भारी संख्या में इल्क्ट्रॉनिक मीडिया व प्रिंट मीडिया के संवाददाता व छायाकार उपस्थित थे। मंच पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी के साथ विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री जे.के.शर्मा, श्री दीपक मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री एस.एन.श्रीवास्तव, श्री टी.एन.मोहन, श्री एस.नित्यानंद्म तथा श्री ताज हसन उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने वर्ष 2013 के दौरान हुई दिल्ली पुलिस की उपलब्धियों, सफलताओं और रचनात्मक गतिविधियों का वार्षिक ब्यौरा प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम दिल्ली पुलिस के नए 'लोगो' का अनावरण करते हुए पुलिस आयुक्त महोदय ने इल्क्ट्रॉनिक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वर्ष भर के आंकड़ों की मदद से हर सकारात्मक गतिविधि पर प्रकाश डाला। जिसमें दिल्ली पुलिस के सभी जिला/इकाई द्वारा वर्षभर के दौरान प्राप्त उपलब्धियों, गिरफ्तारियों, बरामदगियों, अपराधिक दरों आदि के बारे में विस्तार से बताया। तत्पश्चात मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गये सवालों का पुलिस आयुक्त महोदय ने शांत चित्भाव से जवाब दिया।



निरंतर मजूबत होता हमारा प्रशासनिक ढ़ांचा

दिल्ली पुलिस संगठन को और ज्यादा मजबूत करने की दिशा में निरंतर रचनात्मक कदम उठाये जाते रहे हैं। इसी श्रृंखला में नए पदों पर भर्ती की प्रक्रिया व पदोन्नति की दिशा में सकारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। विशेषकर महिला पुलिसकर्मियों की संख्या में लगातार वृद्धि के लिए 306 महिला उप–निरीक्षकों की भर्ती प्रक्रिया जारी है और नए पदों के सृजन के लिए भी प्रशासनिक कदम उठाये जा रहे हैं। गतवर्ष विभिन्न रैंकों के 666 पदों की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया गया है और विभिन्न पदों के लगभग 4453 रिक्त पदों को भरने का कार्य प्रगति पर है। अनुकम्पा के आधार पर भर्ती के मामलों का निपटारा करते हुए कमेटी ने गतवर्ष 143 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को हैडकां0 (लिपिकीय), कां0 (कार्यकारी) महिला कां0 (कार्यकारी) तथा कां0 (चालक) पदों पर नियुक्ति दी गई। इसके साथ ही लगभग 3497 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को अगले पदों पर पदोन्नति दी गई। श्रेष्ठ एवं उत्कृष्ठ कार्यो के लिए 40 पुलिसकर्मियों को बारी से पहले तरक्की व 199 को असाधारण कार्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। 23 एसीपी व 206 इंस्पेक्टरों को एससीपी स्कीम से लाभांवित किया गये। 4695 पुलिसकर्मियों के बच्चों को उच्च शिक्षा छात्रवृति के रूप में लगभग 3,81,82,395.00 रूपये स्वीकृत किये गय जबकि 2438 पुलिसकर्मियों को दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की तरफ से उनके बच्चों की शादी के लिए 4 प्रतिशत की दर पर 19,62,00,000.00 रूपये का ऋण स्वीकृत किया गया। 234 दिवंगत पुलिसकर्मियों को आर्थिक सहायता मुहैया कराई गई। **दिल्ली पुलिस शहीदी कोष** की स्थापना के बाद कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले 5 शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को 10 लाख से 20 लाख रूपये तक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। दिल्ली पुलिस विपत्ति सहायता कोष से भी 5 पुलिसकर्मियों को एक–एक लाख रूपये तक की सहायता उपलब्ध कराई गई। वर्तमान में दिल्ली में कुल 181 पुलिस स्टेशनों में से 113 पुलिस स्टेशन अपने स्वयं के भवन में संचालित हो रहे हैं जबकि 10 भवन निर्माणाधीन हैं और 58 पुलिस स्टेशन अस्थाई या किराये के भवनों में संचालित हो रहे हैं। फिलहाल दिल्ली पुलिस के पास विभिन्न टाईप के कुल 15646 फ्लैट है। जिनमें टाईप–1 के 5224, टाईप–II 8590, टाईप–III 1539, टाईप–IV के 246, टाईप–5 के 46 तथा टाईप–6 का एक फ्लैट शामिल हैं। वर्तमान आवास का संतोष स्तर 18.50 प्रतिशत है जो 6715 फ्लैटों के निर्माण का कार्य पूरा होने पर आवास का संतोष स्तर बढ़कर 26.45 प्रतिशत हो जाएगा।

हिन्दी में संबोधित करके सभी को लुभाया

3 जनवरी, 2014 को इंडिया हेबिटेट सेंटर, लोधी कॉलोनी में आयोजित दिल्ली पुलिस का वार्षिक संवाददाता सम्मेलन शानदार तरीके से सम्पन्न हुआ। जिसमें दिल्ली पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मीडियाकर्मियों एवं पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों से खचाखच भरे हॉल के मंच पर उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मीडियाकर्मियों ने सवाल–जवाब किये। प्रारंभ में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने दिल्ली पुलिस की गतवर्ष की बड़ी सफलताओं व उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस के इस वर्ष के विज़न पर भी प्रकाश डाला। इस वर्ष के संवाददाता सम्मेलन की विशेष बात यह रही कि पुलिस आयुक्त महोदय ने अपना अधिकांश सम्बोधन हिन्दी में किया जिसे उपस्थित मीडियाकर्मियों व पुलिसकर्मियों ने काफी सराहा।



आंकड़ों की परवाह किए बिना मामले दर्ज करने पर प्राथमिकता

दिल्ली के नागरिकों में पुलिस की पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जनमित्र की छवि को और ज्यादा सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राजधानी दिल्ली में आपराधिक आंकड़ों में वृद्धि की चिंता किये बिना मामला दर्ज करने को प्राथमिकता दी गई हैं। इस वर्ष आपराधिक वारदातों में करीब 43 फीसदी बढ़ोतरी इसी कारण हुई है। जिसका मूल कारण एफआरआई दर्ज करने में कोई कोताही न बरतना रहा है। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया कि आंकड़ों पर गौर करने के बजाए हम अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने पर जोर देंगे। इसके लिए पुलिस को लोगों की समस्याओं को और लोगों को पुलिस की कार्यशैली को नजदीक से समझना होगा। दिल्ली के नागरिक भयमुक्त हों, महिलाओं और बुजुर्गो को सुरक्षित माहौल मिले और अपराधियों के दिल में पुलिस कार्रवाही का भय हो। उन्होंने कहा कि मामले दर्ज होंगे तो अपराधी भी पकड़े जायेंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई मामला दर्ज होता है और उसके अपराधी को पकड़ कर पुलिस मामले को सुलझा लेती है, तो उसमें भी पुलिस की सफलता होती है।

इस वर्ष की हमारी प्राथमिकताएँ

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि इस वर्ष **पीपुल्स फ्रेंडली और रिस्पॉन्सिव पुलिसिंग** पर जोर दिया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली में सभी के लिए भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सतत् प्रयास किये जायेंगे। जिसमें महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गो की सुरक्षा के प्रति और ज्यादा संवदेनशील होना। दिल्ली पुलिस को जनमित्र व उत्तरदायी बनाना। सभी प्रकार के मामले दर्ज करने पर जोर देना। स्ट्रीट क्राइम पर अंकुश लगाने और अपराधियों में पुलिस कार्रवाही का खौफ पैदा करना। अपराध नियंत्रण करने में समाज के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना। आंतकी गतिविधियों को रोकने और आतंकवादियों पर पैनी नज़र रखना। सुचारू यातायात संचालन करना और सड़क सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठाना। गुमशुदा बच्चों की तलाश में विशेष प्रयास करना। पड़ोसी राज्यों की पुलिस से परस्पर समन्वय बढ़ाना आदि शामिल हैं। इसके अलावा दिल्ली के सभी प्रमुख मॉल, व्यस्त बाजारों और भीड़–भाड़ वाले इलाकों में 5 हजार से ज्यादा सीसीटीवी लगाने पर गंभीरता से काम किया जाएगा।

पदोन्नति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

वार्षिक पत्रकार सम्मेलन के दौरान एक संवाददाता के सवाल का जवाब देते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को अगले पदों पर पदोन्नति देने की प्रक्रिया पर गंभीरता से काम किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार की तरफ मुखातिब होते हुए कहा कि पदोन्नति के लिए आने वाली सभी प्रशासनिक एवं कानूनी अड़चनों को दूर करते हुए इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाये जायेंगे।



फोटो : रोज़र

दिल्ली पुलिस के नए 'लोगो' का अनावरण



दिल्ली पुलिस के **'लोगो (LOGO)'** में बदलाव करते हुए ''सत्यमेव जयते'' की जगह अब ''शांति, सेवा, न्याय'' लिखा गया है। **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने सालाना पत्रकार सम्मेलन शुरू करने से पूर्व नए लोगो का अनावरण किया। **श्री भीम सैन बस्सी** ने कहा कि पुलिस का काम एक बड़ी जिम्मेवारी है। अनेक दबावों के बावजूद, हमने अच्छी शांति–व्यवस्था बनाए रखी है और इसे बनाए रखने के लिए हमें अपना सर्वोत्तम देना चाहिए। जब मैं गोवा पुलिस में महानिदेशक के पद पर कार्यरत था तो मैनें पुलिस के एक पुराने झंडें पर शांति–सेवा–न्याय लिखा हुआ देखा। एक पुलिसकर्मी के काम को परिभाषित करने के लिए इन तीन शब्दों से ज्यादा अच्छा कुछ नहीं हो सकता है। जो सेवा भावना व निष्पक्षता के साथ कर्तव्यपालन की दायित्व की अनुभूति कराता है। इन्हीं तीन शब्दों, शांति–सेवा–न्याय को दिल्ली पुलिस के ''लोगो'' के रिबन में उपलब्ध जगह में इंगित किया गया है जो हमें नागरिकों की बेहतर सेवा करने के लिए लगातार उत्साहित रखता है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए कारगर कदम उठाए गए

दिल्ली में महिलाओं/छात्राओं और बुजुर्गो की सुरक्षा के प्रति दिल्ली पुलिस काफी संवदेनशील रहती है। इसी सिलसिले में 100 नम्बर की सहायता लाइनों की संख्या को 40 से बढ़ाकर 100 किया गया है। महिला सहायता के लिए फोन नम्बर 1091 की संख्या 4 से बढ़कर 10 कर दी गई। सप्ताह में सातों दिन 24 घंटे महिला सहायता डेस्क की शुरूआत। प्रत्येक थाने में महिलाओं की शिकायतें सुनने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती। पीसीआर वाहनों पर महिला पुलिसकर्मी नियुक्ति की गई है। कुछ चुनिंदा बस स्टॉपों पर पुलिसकर्मी तैनात किये गये। कॉलेज व स्कूल खुलने के दौरान प्रमुख जगहों पर पीसीआर वैन व पुलिसकर्मी तैनात किये गये। गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दो पर चर्चा कर व्यवस्था को दुरूस्त करने के प्रयास आदि शामिल हैं। विशेष पुलिस प्रकोष्ठ–महिला एवं बाल इकाई द्वारा भी काफी कारगर कदम उठाये गये हैं। गतवर्ष इस शाखा ने 130 कार्यक्रम आयोजित करके 15633 छात्राओं/महिलाओं को निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया। इसके अलावा एक–एक दिन की 48 कार्यशालाएं आयोजित कर 4590 छात्राओं को भी प्रशिक्षित किया गया है। प्रशिक्षिकों के लिए भी 3 सप्ताह का प्रशिक्षण कराकर उन्हें सक्षम एवं पारंगत बनाया गया है। वर्षभर प्राप्त हुई 2859 शिकायतों में से 885 में समझौता कराया गया, 1911 को निरस्त किया गया जबकि 63 शिकायतें विचाराधीन हैं।

अपराध शाखा की उपलब्धियों को सराहा गया

पुलिस आयुक्त महोदय ने अपराध शाखा एवं स्पेशल सेल द्वारा वर्ष भर में किये गये उत्कृष्ठ एवं उल्लेखनीय कार्यो पर प्रकाश डालते हुए दोनों इकाईयों की कार्यशैली की प्रशंसा करी। अपराध शाखा द्वारा गतवर्ष सुलझाई गई सैकड़ों महत्वपूर्ण घटनाएं जैसे हत्या, अपहरण, लूटपाट व डकैती की घटनाओं का जिक्र करते हुए टीम के अधिकारियों एवं कर्मियों की सराहना करी। संगीन वारदातों में विवेक विहार में श्री बजरंग लाल बकोड़िया का चौहरा सनसीखेज हत्याकांड, बिंदापुर में पति, पत्नी व बच्चे के तिहरे संगीन हत्याकांड, विजय विहार का लूटपाट व दोहरा हत्याकांड, बीएसपी नेता श्री दीपक भारद्वाज हत्याकांड, यूपी के एमएलए की पत्नी श्रीमती रेहान हत्याकांड, शकरपुर में रामपति व उसकी पुत्री का दोहरा हत्याकांड का उल्लेख किया। लगभग 56 इनामी एवं खूंखार बदमाशों को धर–दबोचने के साथ–साथ 30 से ज्यादा खतरनाक गिरोह का भांडाफोड़ कर उन्हें कानून के शिकंजे में लेने और भारी मात्रा में मादक द्रव्य पदार्थ बरामद करने तथा भारी मात्रा में अवैध हथियारों का जखीरा बरामद करने में अपराध शाखा की टीमों को बधाई दी। अपराध शाखा ने हत्या, बलात्कार, लूटपाट व अपहरण जैसे संगीन वारदातों को सुलझाने के साथ–साथ नकली मुद्रा बरामद करने, वाहन चोरों को गिरफ्तार करने, मानव तस्करी एवं अवैध शराब के मामले सुलझाने में भी शानदार सफलता अर्जित की।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने भी गतवर्ष स्टॉक गुरू स्केम, मल्टी लेवल मार्कटिंग स्केम, फेक बैंक गारंटी स्केम, फेक सिक्योरटी स्केम, प्री लॉचिंग स्केम, बैंक फ्राड केस, ई–बैंकिग व ऑन लाइन फ्राड केस, जाली भर्ती घोटाला, कॉपी राइट व ट्रेडमार्क अधिनियम आदि के तहत कई महत्वपूर्ण सफलताएँ अर्जित करीं।

स्पेशल सेल के लिए भी सफलताओं का रहा गतवर्ष

स्पेशल सेल की टीम भी गतवर्ष दिल्ली में आंतकवादियों, उग्रवादियों, मादक द्रव्य तस्करों, नकली मुद्रा माफिया, अवैध शराब व खूंखार बदमाशों के पकड़ने तथा गंभीर एवं संगीन मामलों को सुलझाने में काफी हद तक सफल रही। जिसकी विभिन्न मौकों पर काफी प्रशंसा हुई। स्पेशल सेल की टीमों ने गतवर्ष 11 आतंकवादियों, 59 गिरोह सरगनाओं/लुटेरें, 35 मादक द्रव्य तस्करों, 14 नकली मुद्रा सप्लाई करने वालों,18 मेवाती गिरोह के खूंखार बदमाशों को गिरफ्तार करने, 5 बड़े धोखेबाजों, 13 इनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने, 33 अवैध हथियार सप्लाई करने वालों, 35 क्रिकेट पर सटट्ा लगाने वालों और 46 घोषित/वांछित अपराधियों को दबोचने में सफलता प्राप्त करी।

दुष्कर्म के मामलों में गिरफ्तारी के बाद 20 दिनों के अन्दर आरोप पत्र दाखिल करना होगा, अन्यथा कारण बताने होंगे

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कॉफ्रेंस के दौरान बताया कि दिल्ली में दर्ज होने वाले दुष्कर्म के मामलों में अब पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी के 20 दिनों के अन्दर अदालत में आरोप पत्र दाखिल करना होगा। यदि कोई जॉच अधिकारी 20 दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल नहीं करता है तो उसे उसका कारण संबंधित संयुक्त पुलिस आयुक्त को बताना होगा और यदि 30 दिन बीतने के बावजूद भी आरोप पत्र दाखिल नहीं हुआ तो उसकी सूचना **विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व व्यवस्था)** और **विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध)** को देनी होगी। तत्पश्चात जॉच अधिकारी को आरोप पत्र दाखिल न करने के कारणों की जानकारी पुलिस आयुक्त को देनी होगी। इसके अलावा महिलाओं के प्रति होने वाले अन्य अपराधों में भी पुलिस को जल्द से जल्द आरोप पत्र दाखिल करने में प्राथमिकता बरतनी होगी।

पीड़ितों को प्रारभिंक स्तर पर मदद पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है पीसीआर

दिल्ली की लाइफलाइन कही जाने वाली पीसीआर दिल्ली के नागरिकों को प्राथमिक स्तर पर मदद पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती आ रही है। जून 1960 में ' फ्लाइंग स्क्वाड'' के नाम से शुरू हुई पीसीआर में दिन की डयूटी के लिए 18 और रात्रि डयूटी के लिए 32 पीसीआर वैन होती थी। जो आज की बदलती परिस्थितियों में पीसीआर में वाहनों की संख्या बढ़कर 807 हो गई हैं और कर्मियों की संख्या 8739 के करीब हैं। गतवर्ष सीपीसीआर में कुल 85,84101 कॉल प्राप्त हुई जिनमें से 23,66,935 कॉल संकट के समय में की गई थी। अनुपात के हिसाब से 25 हजार कॉल प्रतिदिन सीपीसीआर में प्राप्त होती हैं। विभिन्न मौकों पर पीसीआर की गाड़ियों ने एम्बूलेंस का काम किया और 30,130 जख्मी नागरिकों को तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल पहुंचाया। गतवर्ष पीसीआर कर्मियों ने 567 अपराधियों को पकड़ कर स्थानीय पुलिस के हवाले किया और चोरी के 140 वाहन, 30 अवैध हथियार, 21 लाख रूपये नकद और 80 मोबाइल बरामद करके शानदार सफलता पाई। सर्दी, गर्मी और बरसात में 24 घंटे काम करने वाले पीसीआर कर्मी आपात स्थित में फंसे नागरिकों को प्रारंभिक स्तर पर तत्काल मदद पहुंचा कर सदैव प्रशंसनीय कार्य को अंजाम देते हैं।

ई–चालान को सराहा गया, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से करीब 60 करोड़ की राशि बतौर जुर्माना वसूल की गई

यातायात पुलिस के ई–चालान सिस्टम की खूबियों को काफी सराहा गया। ई–चालान व्यवस्था में पुलिस कार्रवाही में पारदर्शिता और ईमानदारी की झलक साफ दिखाई देती है। ई–चालान के जरिए अब दिल्ली में हुए सभी चालानों का ऑनलाइन रिकॉर्ड रहेगा। यातायात कर्मियों की सक्रियता, स्फूर्ति व कड़ी मेहनत की वजह से ही गतवर्ष यातायात नियमों को उल्लंघन करने वाले 39,24,621 दोषी वाहन चालकों के चालान किये गये जबकि 71,125 वाहनों को जब्त किया गया। सुचारू यातायात संचालन पुलिसकर्मियों की सड़कों पर उपस्थिति की वजह से ही गतवर्षो के मुकाबले इस वर्ष घातक दुर्घटनाओं में काफी कमी आई। वाहन चालाकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने, शराब पीकर गाड़ी चलाने, अनुचित तरीके से वाहन खड़ा करने, लापरवाह स्कूल वैन चलाने जैसे विषयों पर वर्ष गंभीरता से काम किया। जिसके फलस्वरूप लगभग 2,23,432 दोषी सार्वजनिक वाहनों चालकों के खिलाफ कार्रवाही की गई। जिसमें 13,487 चार्टड बसें, 23,600 ग्रामीण सेवा, 5603 डीटीसी बसें, 1,26,060 तिपहिया तथा 37,757 टैक्सी शामिल हैं। दिल्ली यातायात पुलिस वर्ष 2014 के दौरान इस बात के लिए प्रयासरत रहेगी कि दिल्ली का यातायात सुगम हो व कम से कम सड़क हादसे हों।

हर स्तर के पुलिस अधिकारी एवं कर्मी को सात दिन का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा

दिल्ली पुलिस अपने सभी अधिकारियों और कर्मियों के लिए सात दिन का प्रशिक्षण देगी। संभवतः यह प्रशिक्षण केन्द्र 17 मदर, क्रिसेंट रोड स्थित राजपत्रित अधिकारी मैंस में होगा। यह प्रशिक्षण ऐसे अधिकारियों एवं जवानों के लिए ज्यादा लाभदायक होगा जो लंबे समय से एक राज्य या किसी जिला/यूनिट में रहने के बाद दिल्ली में या दूसरी जिला/इकाईयों में स्थानांतरित होते हैं। क्योंकि ऐसे अधिकारियों एवं कर्मियों को दूसरी इकाई/जिला का काम समझने में थोड़ा वक्त लगता है और व्यवहारिक तौर पर कठिन होता है। जिससे आम लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। इस दौरान तकनीकी ज्ञान, कानून में संशोधन, पोक्सो अधिनियम, अन्वेक्षण के तरीके आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय की दीवार पर उकेरे गये महात्मा गांधी के चित्र का उपराज्यपाल श्री नजीब जंग द्वारा अनावरण



30 जनवरी, 2014 को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर दिल्ली के **उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग** ने पुलिस मुख्यालय की **पश्चिमी दीवार पर उकेरे गए महात्मा गांधी** के चित्र का अनावरण किया। इस अवसर पर मंच पर **उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग, पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त श्री जे.के.शर्मा, दिल्ली कारागार की महानिदेशक श्रीमती बिमला मेहरा और दिल्ली सरकार की प्रधान सचिव (गृह) श्रीमती अर्चना अरोड़ा** उपस्थित थीं। इनके साथ ही इस समारोह में उपराज्यपाल की अतिरिक्त **सचिव सुश्री स्वाति शर्मा, श्री आर.एन. शर्मा, ओ.एस.डी श्री अजय चौधरी** केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरिंग इन–चीफ **श्री दिनेश कुमार,** राजघाट स्थित महात्मा गांधी संग्रहालय के निदेशक **श्री ए. अमिनुल्ला खान** व दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी **विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री टी.एन.मोहन, श्री एस.एन. श्रीवास्तव, श्री एस.नित्यानद्म, श्री ताज हसन संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के सिंह, श्री दीपेन्द्र पाठक** व सभी परिक्षेत्रों के संयुक्त पुलिस आयुक्त भी उपस्थित थे।



इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपराज्यपाल श्री नजीब जंग ने महात्मा गांधी के प्रसिद्व भजन **''ईश्वर अल्लाह तेरो नाम– सबको सन्मति दे भगवान''** का जिक्र करते हुए कहा कि पूरी दुनिया ने बापू जी से कुछ न कुछ सीखा है और उनके सिद्धांतों का अनुसरण भी किया है। आजादी की लड़ाई और अस्पृश्यता के उनके संघर्ष को हम ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियॉ भी स्मरण रखेगी और उनके प्रति कृतज्ञ रहेगी। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक क्षण है कि हम उस महान विभूति का स्मरण कर रहे है और उनके विचारों और संकल्पों पर चलने के लिए प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि हमें बापू जी के सिद्धांतों और अंहिसा से प्ररेणा लेनी चाहिए। पुलिस ने उन्हीं से प्रेरणा लेकर शांति सेवा न्याय का नया नारा दिया है। उन्हीं सिद्धांतों के तहत दूसरों की पीड़ा को महसूस करके पुलिस अपने दायित्वों को बखूबी अंजाम दें। उस महान आत्मा के चित्र के नीचे लिखा है **''पीड़ पराई जाणे रे।''** जिसका अभिप्राय है: दूसरों की पीड़ा भी महसूस कीजिए। दिल्ली पुलिस मुख्यालय की पश्चिमी दीवार पर 150X38 फुट चौड़े महात्मा गांधी के उकेरे चित्र को आसपास के भवनों और आई.टी.ओ. चौराहे से साफ देखा जा सकता है। इस चित्र को जर्मनी के मशहूर चित्रकार **हैड्रिक बेकिर्च** और दिल्ली की जानी–मानी **महिला चित्रकार अनपू** ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर क्रेन की मदद से मात्र 5 दिनों में बनाया। महात्मा गांधी के भीति चित्र को बनाने में शिल्पकार एवं अभिकल्पक हनीफ कुरैशी और कांट्रेक्टर अर्जुन बहल ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत में महात्मा गांधी का शायद यह सबसे बड़ा श्वेत–श्याम चित्र हैं। समारोह के अंत में **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस. के. गौतम** ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों और वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया जबकि **उपायुक्त पुलिस श्री हरेन्द्र कुमार** ने मंच संचालित किया।







फोटो : रोज़र

दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की तरफ से ''फ्री आई चैक–अप कैम्प'' का आयोजन



18 दिसम्बर, 2013 को नई पुलिस लाइन स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस के कॉफ्रेंस हाल में दिल्ली पुलिस कल्याण समिति (पंजी) ने महावीर इंटरनेशनल दिल्ली (पंजी) के सहयोग से एक ''फ्री आई चैक–अप कैम्प'' का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली पुलिस कल्याण समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी** मुख्य अतिथि थी। इस ''फ्री आई चैक–अप कैम्प'' से बटालियनों में तैनात पुलिसकर्मियों के अलावा आसपास की पुलिस कॉलोनियों में रहने वाले पुलिस परिवारों से जुड़े काफी सदस्य लाभांवित हुए।



इस मौके पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री एस.बी.के.सिंह की धर्मपत्नी **श्रीमती (डॉ.) शुशी सिंह** तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) श्री दीपेन्द्र पाठक की धर्मपत्नी **श्रीमती गीता पाठक** व संयुक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी परिक्षेत्र) श्री संजय बेनीवाल की धर्मपत्नी श्रीमती **(डॉ.) अपर्णा बेनीवाल** भी उपस्थित थी।



इसी दौरान समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सुनीरा बस्सी** ने कल्याण केन्द्र में तैयार गर्म कपड़ों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए ऐसे कल्याणार्थ कदम उठाये जाते रहने चाहिये।

पुलिस मुख्यालय में मदर डेयरी बूथ खुला



13 दिसम्बर, 2013 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने पुलिस मुख्यालय के बाहरी निकास द्वार के निकट एक मदर डेयरी बूथ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री आलोक वर्मा तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के. गौतम** के अलावा भारी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जवान एवं मदर डेयरी के अधिकारी भी उपस्थित थे।



पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने कहा कि पुलिसकर्मियों को ताजा दूध, मक्खन व आइसक्रीम जैसे खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक कल्याणकारी कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे बूथ खोले जाने से पुलिसकर्मियों को फायदा होगा और उन्हें गुणवत्ता की चीज़े उपलब्ध हो सकेंगी। ऐसे ही 30 और मदर डेयरी बूथ दिल्ली पुलिस की विभिन्न कॉलोनियों, कल्याण केन्द्रों और बटालियनों में खोले जाने की योजना है।



20 दिसम्बर को **पुलिस आयुक्त श्री भीमसैन बस्सी** ने न्यू पुलिस लाईन, किंग्ज़वे कैम्प में एक पार्क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक वर्मा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के. गौतम, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल** एवं **एसीपी श्री किशोर कुमार** उपस्थित थे।

नववर्ष पर पुलिस आयुक्त का शुभकामना संदेश





एक जनवरी, 2014 की शाम पुलिस मुख्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ–साथ जिला/इकाईयों के अधिकारी भी उपस्थित थे। श्री बस्सी ने उपस्थित अफसरों, जवानों और मीडियाकर्मियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनकी उन्नति और अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की। उन्होंने कहा कि हम सब अपने दायित्व को पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता व कड़ी मेहनत के साथ निभाते हुए आम जनता के साथ दोस्ताना व्यवहार स्थापित करने में सफल होंगे।

अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक में दिल्ली पुलिस एवं पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श



15 जनवरी, 2014 को **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री आलोक कुमार** की अध्यक्षता में अन्तर्राज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हॉल में आयोजित इस बैठक में दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में गुडगांव के पुलिस आयुक्त श्री आलोक मित्तल, फरीदाबाद के पुलिस आयुक्त श्री त्रिलोत्मा वर्मा, पटना के आईजी (स्पेशल ब्रांच) श्री जे.एस.गंगवार, रोहतक के आई जी श्री अनिल कुमार के अलावा उतराखंड, व जम्मू–कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित अन्य पड़ोसी राज्यों के पुलिस अधिकारियों ने गणतंत्र दिवस समारोह को देखते हुए आंतकी सूचनाओं का आदान–प्रदान करने, आंतक विरोधी कदम उठाने, किरायेदारों का सत्यापन कराने, गेस्ट हाउसों एवं होटलों पर निगरानी रखने, प्रॉपर्टी डीलरों, साइबर कैफे मालिकों को जागरूक करने तथा आईएसडी और पीसीओ बूथों पर नजर रखने पर आपसी सहमति जताई।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस के 20 पुलिस अफ़सर एवं जवान पुलिस पदक से सम्मानित

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर दिल्ली पुलिस परिवार के 20 पुलिस अफ़सरों और जवानों को विशिष्ठ एवं सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। **विशिष्ठ सेवाओं के लिए सम्मानित होने वालों में शामिल हैं** : संयुक्त पुलिस आयुक्त (मध्य परिक्षेत्र) श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिण–पश्चिमी परिक्षेत्र) श्री तेजेन्द्र सिंह लूथरा, सहायक आयुक्त पुलिस श्री प्रियमित्र कौशिक तथा **सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित होने वालों में शामिल हैं:** अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अतुल कटियार, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री संजय कुमार, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री के. जगदीशन, सहायक आयुक्त पुलिस श्री शील निधि, निरीक्षक रविन्द्र सोनी, निरीक्षक दारा सिंह, महिला निरीक्षक मंजू लता, निरीक्षक नागेश कुमार, उपनिरीक्षक सुबे सिंह, उपनिरीक्षक रामकुमार, उपनिरीक्षक सतबीर सिंह, उपनिरीक्षक भोला राम, सहायक उप–निरीक्षक दिनेश कुमार, महिला सहायक उप–निरीक्षक ए.चित्रा, सहायक उप–निरीक्षक रामकरण, प्रधान सिपाही महेश कुमार तथा प्रधान सिपाही चरण सिंह।

विशिष्ठ सेवाओं के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित



श्री संदीप गोयल
संयुक्त पुलिस आयुक्त



श्री तेजेन्द्र सिंह लूथरा
संयुक्त पुलिस आयुक्त



श्री प्रियमित्र कौशिक
सहायक पुलिस आयुक्त

सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक से सम्मानित



श्री अतुल कटियार
अति. आयुक्त पुलिस



श्री संजय कुमार
अति. आयुक्त पुलिस



श्री के. जगदीशन
अति. आयुक्त पुलिस



श्री शील निधि
सहा. आयुक्त पुलिस



श्री नागेश कुमार
निरीक्षक



श्री दारा सिंह
निरीक्षक



श्री रविन्द्र सोनी
निरीक्षक



श्रीमती मन्जू लता
निरीक्षक



श्री रामकुमार
उपनिरीक्षक



श्री सुबे सिंह
उपनिरीक्षक



श्री सतबीर सिंह
उपनिरीक्षक



श्री भोला खान
उपनिरीक्षक



श्री दिनेश कुमार
स. उप-निरीक्षक



श्री रामकरन
स. उप-निरीक्षक



श्रीमती ए. चित्रा
स. उप-निरीक्षक



श्री महेश कुमार
प्रधान सिपाही



श्री चरण सिंह
प्रधान सिपाही

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान चालकों एवं नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया



दिल्ली यातायात पुलिस और इंडियन हैड इंजरी फाउंडेशन के तत्वावधान में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 11से 17 जनवरी, 2014 तक सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव श्री विजय छिब्बर, संयुक्त सचिव श्री संजय बंद्धोपाध्याय, इंडिया हेड इंजरी फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक श्री रनबीर तलवार, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अनिल शुक्ला, स्कूली बच्चों,एनजीओज् और एनसीसी कैडेटों ने हिस्सा लिया। '' पहले आप' की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में चालकों, बच्चों और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि सड़क पर चलते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। **'पहले आप'** की सहजता और विनम्रता से सड़कों पर न केवल रोड़रेज की घटनाओं को रोका जा सकता है बल्कि सड़क हादसों को भी रोका जा सकता है। इस अवसर पर दिल्ली यातायात पुलिस के जवानों ने एक मोटरसाइकिल मार्च भी निकाला।

पड़ोसी निगरानी (सुरक्षा) योजना एवं जनसम्पर्क पर जोर



पूर्वी जिला के थाना शकरपुर में पड़ोसी निगरानी योजना और जनसम्पर्क पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें **उपायुक्त पुलिस श्री अजय कुमार,** अतिरिक्त **उपायुक्त पुलिस श्री मंदीप सिंह रंधावा, सहायक आयुक्त पुलिस अमित कुमार, थानाध्यक्ष श्री विक्रमजीत सिंह** तथा इलाके की आर.डब्लू.ए के पदाधिकारियों के अलावा गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। नेबरहुड वाच स्कीम, नो योर पुलिस स्टेशन और नो योर अपडेट जैसी योजनाओं को कारगर ढंग से क्रियान्वित करने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु दिल्ली पुलिस काफी सक्रियता से काम कर रही हैं। आपसी निगरानी योजना (नेबरहुड वाच स्कीम) का मकसद पड़ोसियों को आपातकाल में एक–दूसरे की मदद करने, सूचनाओं का आदान–प्रदान करने, घरों में सुरक्षा के उपकरण लगवाना और पुलिस की मदद करना आदि है। समय पर नागरिकों का सहयोग, जानकारी एवं प्रोत्साहन से पुलिस ज्यादा प्रभावशाली ढंग से सुरक्षात्मक कदम उठा सकती है।



8 जनवरी 2014 को साउदी- अरब अमीरात के राजदूत डॉ. सॉद मोहम्मद अल सली ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से शिष्टाचार भेंट की। परस्पर विचार विमर्श के बाद श्री बस्सी डॉ. साध को स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए।

सड़क दुर्घटना: विश्लेषण और समाधान विषय पर सेमिनार



दिल्ली यातायात पुलिस ने 15 जनवरी, 2013 को इंडिया हैबिटेट सेंटर में सड़क दुर्घटना संबंधित विश्लेषण और उनके समाधान विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार में एम्स के निदेशक **श्री एमसी मिश्रा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अनिल शुक्ला ,उपायुक्त पुलिस श्री प्रेम नाथ** सहित दिल्ली यातायात पुलिस के अधिकारी एवं कर्मी तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े व्यक्ति भी शामिल थे। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने कहा कि देशभर में इतनी सड़क दुर्घटनाएँ होती है कि घायल लोगों के इलाज में जीडीपी का 3 प्रतिशत खर्च हो जाता है और पूरे देश में लाखों लोग सड़क दुर्घटना में मृत्यु को प्राप्त होते हैं। युवाओं की सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु से देश की कार्यक्षमता पर भी प्रभाव पड़ता है। श्री हसन ने अपने सम्बोधन में कहा कि दिल्ली यातायात पुलिस भी एक क्षमता तक दुर्घटनाओं को रोकने की क्षमता रखती है। दिल्ली में निरंतर बढ़ते वाहनों की संख्या पर अकुंश लगाने के साथ–साथ पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा दिये जाने की जरूरत हैं।



अच्छी तफ्तीश

58 दिनों से फरार नारायण साईं को आखिरकार अपराध शाखा ने पीपली के निकट से धर-दबोचा

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री कुमार ज्ञानेश के नेतृत्व में एसीपी श्री के.पी.एस. मल्होत्रा, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार, एसआई गुरमीत, एसआई विजय, एसआई ऋषि, एसआई ब्रहमदेव, एसआई सुनील, हैडकां0 हनुमान, अजित, सुरेन्द्र, मनीष, बिजेन्द्र, कंवरपाल, जयसिंह तथा कां0 रविन्द्र, विरेन्द्र ,जगबीर, अजय, मनंजीत, परमिन्द्र, हरजिन्द्र, रामपाल, सतबीर, रमन, पुष्पेन्द्र, प्रवीण, विकास, जगबीर, विक्रम, नीतिन, अतुल, संदीप, सुभाष तथा सुरेश की टीम ने अपनी कड़ी मेहनत, पेशेवर कार्यकुशलता और निरंतर निगरानी की वजह से लगभग 58 दिनों से सूरत (गुजरात) से फरार चल रहे तथाकथित अपराधी नारायण साईं को अम्बाला के निकट पीपली से गिरफ्तार करने में शानदार सफलता पाई हैं। इस संबंध में **संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री एस.बी.के. सिंह** व **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रविन्द्र यादव** ने 4 दिसम्बर, 2013 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मलेन में बताया कि गुजरात पुलिस अक्तूबर, 2013 से ही दिल्ली पुलिस के सम्पर्क में थी और उसके छिपने के संभावित ठिकानों और व्यक्तियों के बारे में सूचनाएँ भी शेयर कर रही थी। अपराध शाखा की कई टीमें उसी समय से काफी गंभीरता व संजीदगी के साथ नारायण साईं की तलाश में जुटी हुई थी। कुछ पुख्ता जानकारी मिलने पर पुलिस टीमें लुधियाना, राजपुरा, जिरकपुर, चंडीगढ़, अम्बाला और मेरठ आदि इलाकों में सरगर्मी से तलाश कर रही थी। उसी का परिणाम है कि अपराध शाखा की टीमें अभियुक्त नारायण साईं, उसके व्यक्तिगत सुरक्षागार्ड व भक्त कौशल ठाकुर उर्फ हनुमान तथा रमेश मल्होत्रा को अम्बला के निकट पीपली से गिरफ्तार करने में सफल रही। पिछले 58 दिनों से लगभग 6 राज्यों में विभिन्न स्थानों पर शरण लिये इस नारायण साईं को हमेशा एक ही डर सताता रहता था कि उसे केवल दिल्ली पुलिस ही गिरफ्तार कर सकती है। फरारी के दौरान अभियुक्त जयपुर, आगरा, सीतापुर, ग्रेटर नोएड़ा, हरिद्वार, दिल्ली, ढ़ाणें, बलसाड, उदयपुर, अंबाला आदि शहरों में छिपा रहा। यूपी नम्बर की फोर्ड ईको स्पोर्ट्स कार को ओवरटेक करके अपराध शाखा की टीम ने जब कार सवार इन अभियुक्तों से पूछताछ की तो उन्होंने पुलिस टीम को बरगलाने की यथासंभव कोशिश की। सिख वेशभूषा में नारायण साईं ने कभी मूक-बधिर बनने का नाटक किया तो कभी स्वंय को स्थानीय नागरिक बताते हुए पुलिस टीम पर नाहक परेशान करने का आरोप लगाया। अपराध शाखा ने गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को रोहिणी अदालत में पेश किया जहां से उन्हें बाद में ट्रांजिट रिमांड पर गुजरात पुलिस के हवाले कर दिया गया। इन अभियुक्तों के खिलाफ सूरत गुजरात के थाना जहांगीरपुर में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज हैं। गिरफ्तारी के वक्त पुलिस टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से 2.61 लाख रूपये नकद, 6 मोबाइल फोन, भक्त हनुमान के कब्जे से 13,500 रूपये तथा यूपी नम्बर की ईको स्पोर्ट्स कार बरामद करने में भी सफलता मिली। अपराध शाखा के करीब 31 पुलिस अफसरों और कर्मियों की जाबांज टीमों ने अभियुक्त साईं के डर को यथार्थ में बदल कर अपनी कार्यकुशलता और काबलियत को एक बार पुनः सिद्ध किया है।

अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले रैकेट का भांडाफोड़ कर स्पेशल सेल की टीम 22 अत्याधुनिक पिस्टल बरामद करते हुए 3 लोगों को गिरफ्तार करने में सफल हुई ।

स्पेशल सेल के एसीपी श्री सत्यवीर सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर मनोज दीक्षित और शिव कुमार की टीम ने 3 दिसम्बर, 2013 को नन्द नगरी इलाके से तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 22 अत्याधुनिक आटोमैटिक पिस्टल व 22 अतिरिक्त मैगजीन बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की हैं। पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग मुगेंर (बिहार) के बजाय आजकल मध्य प्रदेश के धार इलाके से अवैध हथियारों की सप्लाई दिल्ली व एनसीआर इलाके में कर रहे हैं। इस संबंध में **उपायुक्त पुलिस श्री संजीव यादव** ने बताया कि इससे पहले दिल्ली व एनसीआर इलाके में ज्यादातर अवैध हथियारों की सप्लाई बिहार के मुगेंर जिले से होती थी। जिस पर स्पेशल सेल और अपराध शाखा ने अकुंश लगाने में काफी हद तक सफलता प्राप्त करते हुए काफी मात्रा में अवैध हथियार जब्त किये। परन्तु अब पुलिस टीम को जानकारी मिली थी कि कुछ लोग मध्यप्रदेश के धार इलाके से अवैध हथियार दिल्ली व एनसीआर में सप्लाई कर रहे हैं। इसी सूचना पर काम करते हुए टीम पुलिस टीम ने ''मेड इन इंगलैंड'' की 22 अत्याधुनिक पिस्टल व 22 अतिरिक्त मैगजीन बरामद करते हुए मेरठ निवासी सलीम व कलुआ तथा अहमदनगर, महाराष्ट्र निवासी प्रदीप मांडिक को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की। इस संबंध में थाना स्पेशल सेल, लोधी कॉलोनी में मामला दर्ज किया है। पूछताछ पर अभियुक्तों से पता चला कि ये हथियार कर्दमपुरी और मंगोलपुरी इलाके में आपराधियों को बेचे जाने वाले थे। पुलिस टीम ऐसे अवैध हथियारों की दिल्ली में सप्लाई के स्रोत्रों की जानकारी एकत्रित कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस टीम की इस शानदार सफलता पर बधाई व प्रंशसा व्यक्त की है।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम ने दैवीय शक्ति के नाम पर एक विशेष समुदाय एवं जाति के 2 लाख लोगों से करीब 562 करोड़ रूपये की ठगी करने वाले चार महाठगों को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता पाई।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम ने आस्था के नाम पर एक खास समुदाय और जाति के लोगों को उनके उत्थान के नाम पर ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री प्रवीर रंजन** ने संवाददाताओं को बताया कि गिरोह के चार सदस्यों अशोक जडेजा उर्फ माता जी, परवीन पोप, खीमजी भाई जडेजा तथा केशाराम ने देश के विभिन्न भागों से लगभग 2 लाख लोगों से करीब 562 करोड़ रूपये दैवीय शक्ति का झांसा देकर ठग लिये। पुलिस टीम को इससे पहले भी वर्ष 2009 में सूचना मिली थी कि कुछ लोग एक खास समुदाय व जाति के लोगों के साथ ठगी कर रहे हैं। इनके खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 95 मामले दर्ज हैं और इन्होंने दिल्ली में लगभग 2800 लोगों से करीब 25 करोड़ रूपये ठगे हैं। गिरोह के सदस्य अपने एजैंटों के माध्यम से इस बात को फैला देते थे कि एक विशेष समुदाय व जाति के लोगों के उत्थान के लिए सिकोदर माता देवता से कुछ लोगों को खास शक्ति प्राप्त हुई हैं और समुदाय के उत्थान के लिए तीन दिनों में रूपयों को तिगुना कर वापिस कर देंगे। विशेषकर गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे शहरों में लाखों लोगों से ठगी करने के बाद सभी आरोपी फरार हो गये थे।

अच्छी कामयाबी

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की टीम को 200 करोड़ की ठगी करने वाले 50 हजार के इनामी ठग को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता मिली

दिल्ली पुलिस की **आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ** की एंटी लैंड एंड बिल्डिंग यूनिट की टीम इंस्पेक्टर जयप्रकाश, इंस्पेक्टर राकेश आहुजा, एसआई बलिहार, एएसआई हरजीत, एएसआई सुखविन्द्र, एएसआई लाभ सिंह, एएसआई बनीसिंह, कां0 संजय तथा कां0 अमित ने अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री संजय त्यागी के नेतृत्व में विजय दीक्षित (60) नामक ठग को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। धोखाधड़ी और एन. आई एक्ट के तहत दर्ज लगभग 30 मामलों में वांछित इस ठग की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 50 हजार रूपये का पुरस्कार भी घोषित किया हुआ था जबकि 12 मामलों में माननीय अदालत ने घोषित अपराधी करार दिया हुआ था। अपनी उम्र और प्रभावशाली सम्पर्क सूत्रों का हवाला देने वाले विजय दीक्षित नामक इस ठग ने स्वयं को बिल्डर, डिवेलपर और फाइनैंशल एडवाइजर बताकर बहुत सी कम्पनियों और व्यक्तियों से 200 करोड़ से ज्यादा की रकम ऐंठ ली और फरार हो गया। इस संबंध में संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री प्रवीर रंजन ने संवाददाताओं को बताया कि दिल्ली, नोएडा व सोनीपत इलाकों में रियल एस्टेट के बड़े प्रोजेक्ट्स, आवासीय प्लॉट व फ्लैट के नाम पर प्री–लांच स्कीम का झांसा देकर सैकड़ों लोगों के साथ ठगी करने वाले इस ठग के फर्जीवाड़े और नेटवर्क के करीबी लोगों के बारे में पुलिस टीम गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस टीम की इस शानदार सफलता पर पीड़ित कम्पनियों और लोगों ने राहत की सांस ली।

50 हजार के इनामी बदमाश नरसी को स्पेशल शाखा नरेला इलाके से दबोचने में कामयाब हुई

स्पेशल सेल के इंस्पेक्टर राजबीर लाम्बा की टीम ने 10 दिसम्बर, 2013 को दिल्ली व हरियाणा में कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे एक 50 हजार के इनामी बदमाश नरसी को नरेला इलाके से दबोचने में शानदार कामयाबी पाई है। कुख्यात बदमाश सुरेंद्र व अश्विनी खत्री गिरोह के इस बदमाश की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने 50 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ था। नरसी नामक इस बदमाश ने वर्ष 2011 में अपने एक साथी के साथ मिलकर नरेला निवासी प्रवीण नामक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। बाद में उस साथी द्वारा पुलिस के पास जाने की बात कह कर ब्लैकमेल करने की धमकी देने पर उसकी भी अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। पानीपत के महराणा गांव का यह बदमाश दिल्ली, सोनीपत, पानीपत व रोहतक इलाके में हुई कई संगीन वारदातों में संलिप्त बताया गया है।

इलाके के आवारागर्दो/नशेड़ियों का रिकार्ड रखने हेतु हर थाने में रजिस्टर

दिल्ली पुलिस का सदैव प्रयास रहा है कि आवारागर्दो/नशेड़ियों या किसी छोटे अपराध में शामिल हुए युवकों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का यथा संभव प्रयास करें। दिल्ली पुलिस ने कई गैर सरकारी संगठनों के साथ मिलकर कई कार्यक्रम भी चलाये और उन्हें शिक्षित करने का भी प्रयास किया। पिछले दिनों 14 जनवरी, 2014 की देर शाम मध्य जिला के पहाड़गंज इलाके में स्टेट एंट्री रोड पर एक डेनमार्क की एक सैलानी के साथ हुई सामुहिक बलात्कार एवं लूटपाट की वारदात में इलाके के नशेड़ी और आवारागर्द युवक शामिल पाये गये। इस घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने निर्णय लिया है कि प्रत्येक थाने के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले आवारागर्दो और नशेड़ियों का विवरण एवं उनकी तस्वीर आदि का रिकार्ड रखा जाएगा। जिससे उन पर नजर रखी जा सके और किसी आपराधिक वारदात के बाद उनसे पूछताछ भी की जा सके।

स्पेशल सेल की टीम 150 करोड़ रूपये मूल्य की 47 किलो हेरोइन एवं 2 किलो कोकीन बरामद करने के साथ–साथ एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करने में भी सफल हुई!

स्पेशल सेल के उपायुक्त पुलिस श्री संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में इंस्पेक्टर उमेश भरथवाल तथा इंस्पेक्टर नीरज कुमार की टीम ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य पदार्थ तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए लगभग 150 करोड़ रूपये मूल्य की 47 किलो हेरोइन एवं 2 किलोग्राम कोकीन बरामद करने में शानदार सफलता पाई है। शायद यह दिल्ली पुलिस के इतिहास में पहली बार हुआ है कि इतनी बड़ी मात्रा में एकमुश्त ऐसे मादक द्रव्य पदार्थ बरामद करने में कामयाबी मिली है। पुलिस टीम ने इस संबंध में ए. वेणुगोपाल रेड्डी (आंध्र प्रदेश), रगमीत सिंह (दिल्ली), शूरवीर सिंह (दिल्ली) तथा अवतार सिंह (दिल्ली) को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर उमेश भरथवाल को कुछ माह पूर्व एक गुप्त सूचना मिली थी कि अफगानिस्तान निर्मित उम्दा किस्म की हेरोइन दिल्ली व आसपास के इलाके में सप्लाई करने में एक गिरोह काफी सक्रियता से काम कर रहा है। इसके साथ यह जानकारी भी मिली थी कि कुवैत निवासी अली तथा अफगानिस्तान निवासी सैमुल्ला कुछ भारतीय, पाकिस्तानी और श्रीलंका के नागरिकों के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक द्रव्यों की खरीद–फरोख्त कर रहे हैं। इस संबंध में विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन.श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि 18 दिसम्बर को पुलिस टीम ने शंकर रोड़ से आंध्र प्रदेश के रहने वाले रेड्डी नामक व्यक्ति को दबोचते हुए उसके कब्जे से 3 किलोग्राम संदेहास्पद पदार्थ बरामद किया था। इसी क्रम में पुलिस टीम ने इसी सूचना पर काम करते हुए 28 दिसम्बर को संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर, जीटी करनाल रोड़ से चोरी की कार सहित अवतार सिंह को दबोचते हुए उसके कब्जे से 32 किलो हेरोइन व 2 किलो कोकीन बरामद की तत्पश्चात उसकी निशानदेही पर तिलक नगर से भी 6 किलो हेराइन बरामद करने में कामयाबी मिली। पूछताछ पर पता चला कि एक अभियुक्त अवतार सिंह का जन्म काबुल, अफगानिस्तान में हुआ था और उपचार के लिए भारत आने वालों के लिए दुभाषिए का काम करता था। इसी दौरान वह अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स माफिया समीउल्ला के भारत उपचार के लिए आने पर उसके सम्पर्क में आया और इस धंधे में जुड़ गया। पुलिस टीम को इनपुट मिला था कि आंध्र प्रदेश के कुछ संदिग्ध बार–बार दिल्ली आकर दो दशक पूर्व अफगानिस्तान से दिल्ली के तिलक नगर इलाके में बसे दो परिवारों से मिलते हैं। इन्हीं इनपुटों पर काम करते हुए पुलिस टीम मादक द्रव्यों का इतना बड़ा जखीरा बरामद करने और अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में कामयाब हुई।

78 लाख की डकैती का पर्दाफाश, करोबारी के ही एक परिचित सहित 6 आरोपी गिरफ्तार करने में सफलता

उत्तर–पश्चिमी जिला के थाना मौर्या एंक्लेव में 31 दिसम्बर, 2013 की रात एक कारोबारी के साथ हुई डकैती की वारदात को सुलझाते हुए पीड़ित कारोबारी के एक कर्मचारी सहित 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में शानदार कामयाबी हासिल की। इस संबंध में **अति0उपा0पुलिस श्री ए. कोएना** ने घटना की जानकारी देते हुए संवाददाताओं को बताया कि एसीपी सरस्वती विहार श्री दीपक यादव के नेतृत्व में थानाध्यक्ष मौर्या एन्केलव संजय कुमार तथा थानाध्यक्ष जहांगीरपुरी अनिल कुमार की टीमों ने इस वारदात को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। 14 जनवरी, 2014 को पुलिस टीम ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 18 लाख रूपये नकद व डकैती में इस्तेमाल मारूति कार व मोटरसाइकिल बरामद करने में भी सफलता पाई है। पूछताछ पर पता चला कि गिरफ्तार अभियुक्तों को पीड़ित कारोबारी के रोहित नामक कर्मचारी ने सूचना थी कि कार की डिग्गी में भारी रकम होगी। गिरफ्तार अभियुक्तों में कई दिल्ली व उत्तर प्रदेश में लूटपाट, अपहरण व हत्या जैसे संगीन मामलों में भी संलिप्त बताये गये हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अच्छी तफ्तीश

जाबांज सिपाही विनोद की अपराधियों द्वारा हत्या, नवनियुक्त मुख्यमंत्री द्वारा एक करोड़ रूपये का अनुदान



दिवंगत कां. विनोद कुमार

दिल्ली पुलिस से आबकारी विभाग में प्रतिनियुक्ति पर गये सिपाही विनोद कुमार की 27 दिसम्बर, 2013 की रात थाना बसंत कुंज साउथ इलाके में कुछ बदमाशों ने लाठी डंडों से पीट–पीट कर हत्या कर दी। इस संबंध में दिल्ली पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाही करते हुए वारदात में शामिल चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। घटना वाली रात आबकारी विभाग की टीम जिसमें सिपाही विनोद भी शामिल थे, हरियाणा से अवैध रूप से शराब लेकर दिल्ली आ रही एक वैंगन आर कार का पीछा कर रहे थे। टीम के सदस्य कार का पीछा करते जब घिटोरनी गांव के निकट सुनसान इलाके में पहुंचे तो पहले से तैयार खड़े कुछ बदमाशों ने टीम के सदस्यों पर हमला बोल दिया। दो सिपाहियों को घायल कर बदमाश मौके से फरार हो गए। दोनों सिपाहियों को एम्स के ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां अगले दिन विनोद की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा सिपाही उपचाराधीन था। मृतक सिपाही विनोद के परिवार में पत्नी, पुत्री व पुत्र हैं और वे नई पुलिस लाइन किग्जवें कैम्प में रहते थे। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने मृतक विनोद कुमार की पत्नी श्रीमती सविता देवी को एक भेजते हुए शोक संतप्त परिवार को करोड़ रूपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस की तरफ से भी पीड़ित परिवार को शहीदी कोष, अनुग्रह राशि, एक्सिस बैंक बीमा राशि व अन्य सहायता राशि मिलाकर कुल 38 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है।

टेलीकॉम कारोबारी के अपहरण व फिरौती की वारदात में उसकी प्रेमिका, चचेरे भाई व कर्मी सहित कई गिरफ्तार

अपराध शाखा के हैडकां0 दिनेश व हैडकां0 बिजेन्द्र की टीम ने 22 दिसम्बर, 2013 को शालीमार बाग इलाके के टेलीकॉम व्यवसायी सौरभ आहुजा के अपहरण और फिरौती लेकर छोड़ने की वारदात को सुलझाते हुए वारदात में शामिल पीड़ित की प्रेमिका, चचेरे भाई व उसके कर्मी और सुनील राठी गैंग के चार बदमाशों को गिरफ्तार करने में प्रशंसनीय सफलता मिली है। इस संबंध में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री रविन्द्र यादव ने संवाददाताओं को बताया कि मामले का पटाक्षेप तब हुआ जब अपराध शाखा की टीम ने 10 जनवरी, 2014 को सुनील राठी गैंग के चार बदमाशों को हिरासत में लिया था। 27 दिसम्बर, 2013 को पीड़ित व्यापारी ने अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई थी कि 22 दिसम्बर, 2013 को चार बदमाशों ने शालीमार बाग स्थित गेस्ट हाउस से उसका, उसकी प्रेमिका, और चचेरे भाई का अगवा करके उन्हें नजफगढ़ इलाके में बंधक रखा। बदमाशों ने फिरौती के लिए दो करोड़ रूपयों की मांग की। परन्तु 98 लाख में सौदा तय होने पर उन्हें सकुशल रिहा कर दिया। बाद में पता चला कि अपहरण की इस वारदात में कंपनी के ही कुछ लोग शामिल हैं। सौरभ आहूजा की देहारादून स्थित कंपनी में एचआर का काम करने वाली अभियुक्त लड़की को वहां का कार्यालय बंद होने पर दिल्ली बुला लिया गया। जहां दिल्ली में काम के दौरान वह कारोबारी के समीप आ गई। काम के दौरान ही वह अन्य कर्मियों के सम्पर्क में भी आई। मूलरूप से देहारादून की रहने वाली पीड़ित की प्रेमिका ने आर्थिक तंगी के कारण उन लोगों के साथ मिलकर अपहरणकर्ताओं को व्यवसायी की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। अहपरण और सकुशल रिहाई के फिरौती की रकम से अभियुक्तों ने अपना हिस्सा ले लिया था।

पुलिस आयुक्त द्वारा 16 सर्वश्रेष्ठ हैडकां0 व कां0 उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मानित

पुलिस मुख्यालय द्वारा 6 दिसम्बर, 2013 को जारी एक परिपत्र के अनुसार दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 19 हैडकां/कास्टेबलों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए नकद पुरस्कार व प्रंशसा पत्र से सम्मानित किया गया है। विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा की अध्यक्षता में गठित ''चयन समिति'' ने सरकारी कार्य निष्पादन के दौरान निर्भिकता, अच्छी सूझबूझ और शौर्य का प्रदर्शन करने वाले अधोलिखित पुलिसकर्मियों का चयन कर उन्हें सम्मानित किये जाने की संस्तुति की थी। सम्मानित होने वाले पुलिसकर्मियों में शामिल हैं:– हैडकां0 सतपाल, कां0 सुरेश कुमार तथा कां0 नीरज (दक्षिण–पूर्वी पीसीआर जोन–प्रत्येक को 20 हजार रूपये नकद) हैडकां0 आन्नद वल्लभ (थाना डिफेंस कॉलोनी, 12 हजार रूपये), हैडकां0 लक्ष्मी नारायण (थाना उत्तम नगर, 9 हजार रूपये), हैडकां0 रमेशचंद (थाना समयपुर बादली 10,500 रूपये), कां0 मंजीत (थाना विवेक विहार, 12 हजार रूपये), कां0 अरविन्द कुमार (थाना नंद नगरी, 12 हजार रूपये), कां0 विरेन्द्र कुमार (थाना लाजपत नगर 12 हजार रूपये), कां0 दिनेश कुमार (थाना द्वारका साढ़े सात हजार रूपये), कां0 दिपेश (थाना रानी बाग साढ़े सात हजार रूपये), कां0 नफीस मोहम्मद (थाना थाना नबी करीम, 9 हजार रूपये), कां0 दिनेश कुमार (थाना सराय रोहिल्ला, 12 हजार रूपये), कां0 मुकेश कुमार (थाना तुगलक रोड, साढ़े दस हजार रूपये), कां0 संजीव कुमार (कोतवाली सर्कल साढ़े दस हजार रूपये) तथा कां0 नेमी प्रसाद (थाना आनंद विहार रेलवे स्टेशन 12 हजार रूपये)।

आत्महत्या की मंशा से 11वीं मंजिल पर चढ़ी महिला को दो सर्तक सुरक्षा गार्डो ने बचाया, उपायुक्त पुलिस ने पुरस्कृत किया

पश्चिमी जिला के थाना जनकपुरी इलाके में स्थित वेस्टंड माल की 11वीं मजिल पर आत्महत्या की मंशा से चढ़ी महिला को सकुशल स्थानीय पुलिस के हवाले करने वाले दो सुरक्षा गार्डो को उपायुक्त पुलिस ने 5–5 हजार रूपये के नकद पुरस्कार व प्रंशसा पत्र से सम्मानित किया है। 6 जनवरी, 2014 की दोपहर एक महिला आत्महत्या की मंशा से मॉल की 11वीं मंजिल पर चढ़ गई। महिला की संदिग्ध गतिविधियों को देखकर मॉल में तैनात सुरक्षा गार्ड राम किशोर ने महिला को पकड़ लिया और मदद के लिए शोर मचाया। मदद की आवाज सुनकर 12 मंजिला पर तैनात दूसरा सुरक्षा गार्ड रूपेश कुमार सिंह भी तत्काल मौके पर पहुंचा और रामकिशोर की मदद करते हुए महिला को सकुशल बचाया। सुरक्षा गार्डो ने उसी समय जनकपुरी थाने में मामले की जानकारी दी। उपायुक्त पुलिस, पश्चिमी जिला श्री रणवीर सिंह ने दोनों गार्डो को उनकी सूझबूझ और साहस के लिए नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

दिल्ली व एनसीआर में सक्रिय 3 कुख्यात सेंधमारों गिरफ्तार कर 11 मामले सुझलाने में सफलता

एसीपी सरिता विहार श्री वी.के नायर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष बदरपुर अखिलेश्वर यादव की टीम एएसआई राजेश कुमार, हैडकां0 विनोद कुमार, हैडकां. सुरजमल, कां0सुनील ,कां0खुशीराम, कां0हरेन्द्र तथा कां0 जयवीर की टीम ने दिल्ली व आसपास के राज्यों में सक्रिय रहे 3 कुख्यात सेंधमारों को गिरफ्तार कर सेंधमारी व चोरी की 11 वारदातों को सुलझाने में बेहतरीन सफलता अर्जित की है। पुलिस टीम ने इलाके के एक सुनार सहित एक घोषित अपराधी को भी गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के खिलाफ थाना सी. आर.पार्क, सरिता विहार, व थाना महरौली में 4 मामले दर्ज है और उनसे भारी मात्रा में चोरी/सेंधमारी का सामान बरामद किया गया है।

स्थानांतरण एवं पदोन्नति

स्थानांतरण

12 दिसम्बर, 2013 को पुलिस मुख्यालय एक परिपत्र के अनुसार अधोलिखित पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किये गये हैं। श्री अनिल कुमार ओझा **(अति.आ.पु.)** दक्षिण–पश्चिमी जिला से प्रधानाचार्य **(पीटीसी)** श्री सुमन गोयल **(अति.उपा.पु.)** दक्षिण–पश्चिमी जिला से उपायुक्त पुलिस **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)** श्री दिनेश कुमार गुप्ता **(अति.उपा.पु. नई दिल्ली जिला से)** अति.अति. उपा.पु. **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)** श्रीमती वर्षा शर्मा **(अति.उपा.पु. स्पेशल ब्रांच)** से अति.उपा.पुलिस **(एसपीयूडब्लूएसी)** श्रीमती सुमन नलवा अति.उपा.पु. **(एसपीयूडब्लूएसी)** से **(अति.उपा.पु. स्पेशल ब्रांच)** श्री ए. के.लाल अति.उपायुक्त पुलिस **(सतर्कता)** से **(अति.उपा.पु. नई दिल्ली जिला)।** श्री एम.एम. ओबेरॉय संयुक्त पुलिस आयुक्त **(लाईसेन्सिंग)** से **इन्टरपोल** में प्रतिनियुक्ति पर।

पदोन्नति

पुलिस मुख्यालय द्वारा 18 दिसम्बर, 2013 को जारी एक परिपत्र के अनुसार 545 हैडकांस्टेबल (कार्यकारी) को तदर्थ आधार पर पदोन्नति देकर सहायक उप–निरीक्षक बनाया गया है।

पीसीआर वाहनों में कांफ्रेंसिंग सुविधा उपलब्ध होगी थानों से भी सीधे जुड़ सकेगी पीसीआर

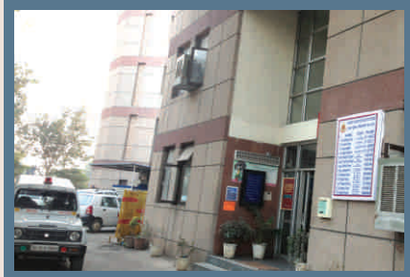


दिल्ली पुलिस की पीसीआर वाहनों को हाईटेक किये जाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। न्यू जनरेशन–एनजी–100 प्रोजेक्ट नाम से पीसीआर वाहनों को मोबाइल डाटा टर्मिनल से जोड़ा जाएगा। जिसके तहत संचार के चार चैनल एक साथ उपलब्ध होने से संचार माध्यम काफी तीव्र हो जायेंगे। इससे एक तरफ कॉल को सुनने और दूसरी तरफ उसे प्रसारित करने के साथ–साथ थानों से भी सीधे पीसीआर वाहन जुड़ जायेंगी। इस नई तकनीक से टेक्सट मैसेज् और ऑडिया–वीडियो स्टोर किये जा सकेंगे, कंट्रोल रूम में मैसेज दिये जाने के समय को लेकर किसी प्रकार का विवाद नहीं होगा। कॉल मिलने के बाद पीसीआर वैन कर्मियों द्वारा की गई पूरी कार्रवाही पर नज़र रहेगी तथा वैन पर तैनात पुलिसकर्मी ट्रैफिक जाम या घटनास्थल दूर होने का बहाना नहीं बना सकेगे।

बलात्कार के अधिकांश मामलों में परिचित शामिल

गतवर्ष दिल्ली में बलात्कार के लगभग 1559 मामले दर्ज हुए। जिनमें से 1398 मामले सुलझाने में पुलिस सफल रही। गत वर्ष दुष्कर्म व छेड़छाड के मामलों में वृद्वि का मुख्य कारण बसंत विहार सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद महिलाओं में जागरूकता और पुलिस द्वारा मामला दर्ज करने में कोई कोताही न बरतना रहा है। इस दर्ज मामलों की तफ्तीश के दौरान पता चलता है कि लगभग 97 प्रतिशत मामलों में बलात्कार की घटना को किसी अनजान ने नहीं बल्कि पीड़िता के जानने वालों ने अंजाम दिया है। अधिकांश मामलों में पीड़िता का बॉयफ्रेंड, पड़ोसी, रिश्तेदार, पूर्व पति, पिता एम्प्लॉयर तथा मकान मालिक जैसे निकट परिचित शामिल हैं। इस सबके बावजूद पुलिसकर्मियों को महिलाओं के सम्मान, उनकी सुरक्षा और सुरक्षित माहौल बनाए रखने के लिए सदैव अपने दायित्व का निर्वाह पूरी दृढ़ता और निष्ठा के साथ करना चाहिए और महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों पर अकुंश लगाने के लिए सतत् प्रयास करते रहना चाहिए।

विश्व पुलिस स्टेशन आगंतुक पुलिस सप्ताह के दौरान दिल्ली का कमला मार्केट थाना जन सहयोग में अव्वल



जैसा कि आपको विदित होगा कि गतवर्ष 4 से 9 नवम्बर के बीच विश्व पुलिस स्टेशन आगंतुक सप्ताह मनाया गया था। जिसके अतंर्गत 20 से ज्यादा देशों के चुनिंदा पुलिस स्टेशनों में आम नागरिकों को आमंत्रित कर उनसे पुलिस की कार्यशैली, उनके जनसहयोग और सामुदायिक नीतियों के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इसी सिलसिले में सतर्कता शाखा के अतंर्गत दिल्ली में कुल 45 प्रमुख पुलिस स्टेशनों को इस योजना में शामिल किया गया था। कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत स्वतंत्र संस्था एटलस ग्लोबल एलायंस की मदद से इन 45 थानों में सामुदायिक पुलिसिंग, पुलिसकर्मियों के व्यवहार, कार्य में पारदर्शिता और थानों के भवनों की स्थित आदि पर एक सर्वे कराया गया। जिसमें बिना किसी दुराभाव से ग्रस्ति होकर पारदर्शिता के साथ अपने अनुभव अनुसार प्रश्नावली का एक फार्म भरना था। प्रश्नावली के इस फार्म को भरने के लिए कोई बाध्यता नहीं थी। इसमें कमला मार्केट थाना को 100 प्रतिशत, सीआर पार्क थाने को 98.95 तथा बाराखम्भा रोड थाने को 98.93 अंक प्राप्त होने पर क्रमानुसार प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुलिस स्टेशन घोषित किया गया। इस अभियान के बारे में समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर नागरिकों को बताया गया था जिसमें लगभग 5 हजार नागरिकों ने थानों में जाकर अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की थी।



हमारे प्रतिभाशाली नौनिहाल

नौनिहाल शब्द के शाब्दिक अर्थ से हम सभी भली–भाँति परिचित हैं कि जैसे 9 के पहाड़े को गुणा करते समय उसका योग 9 ही आएगा। ठीक उसी प्रकार बच्चा चाहे किसी भी प्रकार की पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंधित क्यों न हो सबका मन एक समान निश्चल एवं साफ होता है। केवल जरूरत होती है अपने नौनिहालों को उचित मार्ग–दर्शन व स्नेह देने की ताकि वे उज्ज्वल भविष्य की तरफ अग्रसर हो सकें। पुलिस परिवार अपने सभी प्रतिभाशाली छात्रों, छात्राओं और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



राहुल

इसी क्रम में 14वीं वाहिनी में तैनात एएसआई प्रवीण कुमार के सुपुत्र राहुल ने 12वीं कक्षा में शानदार अंक प्राप्त कर दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री ली और बाद में यूपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से भारतीय सेना में लेफ्निेंट भर्ती होकर देश सेवा के लिए समर्पित हो गए। पुलिस परिवार उसके शानदार एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



ललित कुमार

अपराध शाखा में तैनात हैडकां0 ओमप्रकाश के सुपुत्र ललित कुमार ने भी हरियाणा (सिरसा) स्थित चौ0 देवीलाल यूनिर्वसिटी से कानून की डिग्री प्राप्त कर न्यायियक सेवा के लिए प्रयासरत है। कानून की डिग्री लेने वाले ललित कुमार ने अपनी पढ़ाई के दौरान अपने बैच में न केवल श्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया बल्कि अपने सद्व्यवहार के कारण अपने प्राध्यापकों का विशेष स्नेह भी प्राप्त किया। जिसके लिए उसे सम्मानित किया भी गया।



हैप्पी मान

यातायात पुलिस में बतौर चालक तैनात हैडकां0 बनी सिंह के सुपुत्र हैप्पी मान ने देश भर में विश्वविद्यालय स्तर पर और राज्य स्तर पर आयोजित बेसबॉल प्रतियोगिताओं में पदक हासिल कर अपनी सर्वांगींण प्रतिभा का परिचय दिया है। वर्ष 2007 में दिल्ली में आयोजित हुई नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले हैप्पी मान ने निरंतर आन्ध्र प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, कोलकता, उत्तराखंड, महाराष्ट्र व दिल्ली में आयोजित हुई हर स्तर की बेसबाल प्रतियोगिता में कोई न कोई पदक जीत कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 21 से 25 जनवरी, 13 को आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बेसबाल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले हैप्पी सिंह ने 21 से 25 अक्टूबर,13 व 26 अक्टूबर से 2 नवम्बर के बीच चंडीगढ़ व सोलाहपुर (महाराष्ट्र) में आयोजित बेसबॉल प्रतियोगिताओं में रजत पदक जीतकर हैप्पी सिंह ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

हमारी आचार संहिता

देश के लिये हम तभी उपयोगी सिद्ध हो पाएगें जब हम उच्च कोटि का अनुशासन रखे। अपने कर्तव्यों का कानून के अन्दर रहकर पालन करें। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों को पूरी तरह निष्ठा से मानें, अपने पुलिस विभाग के प्रति पूरी वफादारी निभायें तथा हर समय अपने आपको पूरी तरह प्रशिक्षित व तैयार रखें।

मिस हेरिटेज 2013 का सिल्वर पदक स्वाति केन के नाम (फर्स्ट रनर-अप)



स्वाति केन

आईजीआई एयरपोर्ट पर तैनात इंस्पेक्टर एस.के.केन की सुपुत्री स्वाति केन ने पिछले दिनों जिम्मबावे में आयोजित मिस हेरिटेज वर्ल्ड–2013 की प्रतियोगिता में रजत् पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया है। हिन्दू कॉलेज से स्नातक योगा और फिटनेस की ट्रैनर स्वाति केन ने पहले भी कई सौन्दर्य प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी बुद्धिमत्ता और सौन्दर्य का परिचय देते पदक हासिल किये हैं। फेमिना मिस इंडिया–2013 की फाइनलिस्ट रह चुकी स्वाति केन ने दिल्ली में आयोजित सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेती हैं। पुलिस परिवार से जुड़ी बहुमुखी प्रतिभा की धनी स्वाति केन ने देश–विदेश में आयोजित कई प्रतियोगिताओं में पदक हासिल कर अपने अभिभावकों एवं विभाग का नाम रोशन किया है। पुलिस परिवार उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हैं।

दौड़ना ही हीरालाल का जुनून है!



अपराध शाखा में तैनात लगभग 50 वर्षीय एएसआई हीरालाल बाल्यान को इसका जुनून कहें या शौक दौड़ना उसकी आदत में शुमार हो गया है। कहीं दौड़ प्रतियोगिता के बारे में उसे पता चलना चाहिए चाहे वह दिल्ली में या बाहर किसी अन्य राज्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कोई कोर–कसर नहीं छोड़ते। उसी का परिणाम है कि उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक जीतकर अपना व विभाग का नाम रोशन किया है। हर वर्ष मैराथन दौड़ में भाग लेने वाले हीरालाल ने दिसम्बर, 2013 में आयोजित वार्षिक दिल्ली स्टेट मास्टर्स एथलिस्ट्स चैम्पियनशिप (दौड़) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक, वार्षिक दिल्ली स्टेट मास्टर्स एथलिस्ट्स चैम्पियनशिप (हैमर) में रजत पदक और एयरटेल के (छठे संस्करण) दिल्ली हाफ मैराथन (आई.ए.ए.एफ) की 21.97 किलोमीटर विश्वस्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में 43वां स्थान प्राप्त कर सिद्ध किया है कि दृढ़ इरादों में उम्र कोई बाधा नहीं होती। शारीरिक स्फूर्ति और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने वाले एएसआई हीरालाल ने अपने दोनों सुपुत्रों को अच्छा खिलाड़ी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। उनके एक पुत्र मनोज कुमार बाल्यान राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी है तो दूसरे सुपुत्र मनिन्दर कुमार बाल्यान भी बी.एस.एफ में उप–निरीक्षक के पद पर रहते हुए राज्य स्तर के फुटबाल खिलाड़ी हैं।

सर्वश्रेष्ठ बीट है.कांस्टेबल/कांस्टेबल



है.कां. जितेन्द्र हांडा



है.कां. मुकेश कुमार



कां. रंजीव कुमार



कां. विशाल
(सर्वश्रेष्ठ टर्नआउट कां)

31 दिसम्बर, 2013 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी



एसीपी श्रीमति जसवंत कौर



एसीपी श्री उदयवीर सिंह राठी



एसीपी श्री अवतार सिंह



एसीपी श्री थाणा राम

31 जनवरी, 2014 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी



एसीपी श्री राजेन्द्र सिंह



एसीपी श्री वी.एस. पुंडीर



एसीपी श्री हरि दर्शन

सेवानिवृत्ति

माह अक्तूबर, 2013 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों से 52 पुलिसकर्मी सेवानिवृत हुए हैं। इनमें से 10 ने स्वैच्छा से सेवानिवृति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत होने वाले सभी अधिकारियों और कर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता है। सेवानिवृत होने वालों में शामिल हैं:– एसआई ब्रहमेश्वर तिवारी व एसआई जगफूल (राष्ट्रपति भवन), एसआई रतन चंद, एसआई नरेन्द्र स्वरूप व कां0 देवेन्द्र (यातायात), एसआई रणबीर सिंह, एएसआई राजपाल सिंह, एएसआई हवा सिंह, एएसआई रामपाल, एएसआई कर्ण सिंह, एसआई रूद्रा सिंह, हैडकां0 वजीर सिंह, हैडकां0 राजेन्द्र सिंह, हैडकां0 महावीर सिंह, हैडकां0 तेजेन्द्र सिंह तथा हैडकां0 राज कुमार (पीसीआर), एसआई गजराज (चौथी वाहिनी), हैडकां0 बीर सिंह (सातवीं वाहिनी), एएसआई एम. पुरूषोतमन (एफआरआरओ), एसआई दिनेश प्रसाद तथा वाटर कैरियर (उतरी जिला), एसआई पंडूरंगन ,एसआई अबू बकर कुंजू पी तथा एसआई चन्द्रपाल (संचार शाखा), एसआई मोहन प्रताप (उतर–पूर्वी जिला), हैडकां0 विरेन्द्र कुमार (पश्चिमी जिला), एसआई नत्थूराम (पी.एंड.एल), एसआई प्रीतमचंद, एसआई जगदीश सिंह,कां0 परमवीर सिंह राजौरा (पीटीसी), हैडकां0 नरेश कुमार (प्रथम वाहिनी), एएसआई राजबीर सिंह (पूर्वी जिला), एसआई गजराज सिंह, एसआई अमरजीत सिंह, एसआई चरणदास, एसआई मोहिन्द्र सिंह, एसआई रामकुमार, एएसआई देश राज, एएसआई उदय सिंह तथा एएसआई दयानंद (सुरक्षा शाखा), एसआई रतिराम तथा एएसआई धर्मपाल (नई दिल्ली जिला), एसआई बलकार सिंह, एसआई रामचन्द्र, एएसआई ओमप्रकाश (उतर–पश्चिमी जिला) एसआई धर्मपाल (बाहरी जिला) तथा कां0 अमरसिंह तथा कां0 महावीर प्रसाद (मध्य जिला)।

श्रद्धांजलि

नवम्बर माह के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/यूनिटों में तैनात 19 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान भिन्न–भिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन दिवंगत साथियों के प्रति पुलिस परिवार अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है। **दिवंगत साथियों में शामिल हैं** : इंस्पेक्टर अशोक कुमार व कां0 बलवान सिंह (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एसआई कृष्ण चंद (पीटीसी) एसआई पवन कुमार (पूर्वी जिला) एएसआई सुभाष चंद, एएसआई सुखपाल सिंह व कां0 बलजिन्दर सिंह (मध्य जिला), हैडकां0 भगतराम (आईजीआई एयरपोर्ट) हैडकां0 नरेश कुमार व कां0 विनोद भारद्वाज, कां0 योगेश शर्मा (सातवीं वाहिनी) (पीसीआर), कां0 हरीश चन्द्र जोशी (प्रथम वाहिनी) कां0 रामरूप, कां0 प्रदीप कुमार, कां0 राजकिशोर तथा कां0 रोहित कुमार (दक्षिण–पूर्वी जिला) एमटीएस रामगीरी (बाहरी जिला) तथा एमटीएस महबूब खान (12वीं वाहिनी)।

अनुकम्पा के आधार पर 113 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को दिल्ली पुलिस परिवार में शामिल किया गया

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी की अध्यक्षता में 13 जनवरी, 2014 को आयोजित मीटिंग में निर्णय लेते हुए दिल्ली पुलिस के 113 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर दिल्ली पुलिस में शामिल किया गया है। इनमें 4 हैडकांस्टेबल (मिनिस्ट्रीयल), 12 कांस्टेबल (चालक), 69 कांस्टेबल (कार्यकारी पुरूष) तथा 28 कांस्टेबल (महिला कार्यकारी) शामिल हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों के कल्याणार्थ उठाया गया यह एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अनुकम्पा के अधार पर चयन कमेटी में पुलिस आयुक्त के अलावा विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन), संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) तथा उपायुक्त पुलिस (सिब्बन्दी) शामिल होते हैं।

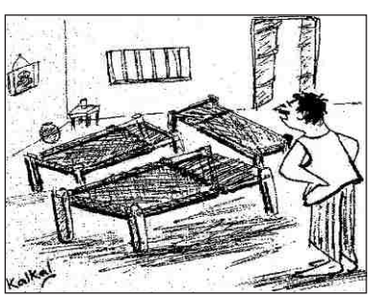


फोटो : रोज़र

65वें गणतंत्र दिवस पर सलामी मंच के सामने से गुजरती दिल्ली पुलिस की टुकडी और चिरपरिचित बैंड। इस वर्ष दिल्ली पुलिस दस्ते का नेतृत्व किया श्री इंगित प्रताप सिंह (भा.पु.से.) ने और पुलिस पुलिस बैंड का नेतृत्व उप.नि. रामचन्द्र ने। जबकि उप.नि. इन्द्रराज ने निरंतर अभ्यास और कठिन परिश्रम के साथ दस्ते को अनुशासित और मजबूत बनाया।

बिस्तरों की चोरी

इतिहास के पन्नों से



मुकदमा सं. 2, धारा 380 भा.दं.सं. दिनांक 03.01.1878 थाना सब्जी मण्डी

संक्षिप्त तथ्य : मौ. खान वल्द जुम्मा खान ने शिकायत दर्ज कराई कि पिछली रात शेरा, कालू और मोहम्मद उसके घर आये और कहने लगे कि उन्हें आराम करना है। मौ. खान ने उन्हें बिस्तरे दे दिये और वो तीनों उसके घर के एक कमरे में सो गये। सुबह मौ. खान ने कमरे में आकर देखा कि वो तीनों बिस्तरों के समेत गायब थे।

नतीजा : तीन महीने का कठोर कारावास।

कलकल

सम्पादक: जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह-सम्पादक: उप-नि. सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली